M.A. History (Final)
Group - B
Paper – X
Indian Economy (upto 1200 A.D.)

Max. Marks: 10
Time: 3 Hou

Note: *10 questions shall be set in the paper spread over the entire syllabus more or less proportionately, o of which the candidates shall be required to attempt five questions, selecting at least one questio from each unit. All questions shall carry equal marks.*

UNIT – I

1. Survey of Sources.
2. Advent of Food Production – Neolithic Culture.
3. Urban Experiment – Harappan Culture.
4. **Vedic Economy:**
   a) Early Vedic b) Late Vedic
5. **Economic condition of India from C 600 B.C. TO C 300 B.C.**
   a) Remergence of Urbanisation b) Agrarian Economy.

UNIT – II

1. Mauryan Economy.
2. Gupta Economy.
3. **Early Medieval Economy:**
   a) Salient Features b) Land Grants
   c) Peasantry d) Urban Debate.

UNIT – III

1. **Land System:**
   a) Land Revenue b) Ownership of Land
   c) Irrigation System.
2. **Trade & Commerce:**
   a) Trade: Internal Trade
   b) Foreign Trade: Trade Relations with Roman and South-East Asian World.
   c) Mechanisms of Trade: Trade Route, Forms of Exchange, Currency and Coinage.
3. **Industries:**
   a) Metal b) Post Making
   c) Textile d) Other Industries
4. Guilds.
5. Usuary.
6. **Patterns of Economic Development in Deccan and South India:**
   a) Aggrarian Economy b) Trade
   c) Industries.
7. Temple Economy.

M.A. History (Final)
Group - B
Paper – IX
Ancient Indian Society & Culture

Max. Marks: 100
Time: 3 Hours

Note: *10 questions shall be set in the paper spread over the entire syllabus more or less proportionately, out of which the candidates shall be required to attempt five questions, selecting at least one question from each unit. All questions shall carry equal marks.*

UNIT – I

1. Enquiries into Socio-Cultural life of harap an people.
2. Vedic society
3. Buddhist Society.
4. Mauryan Society
5. Gupta Society
6. Early Medieval Society

UNIT – II

7. Family Organisation
8. Varna
9. Asramas
10. Sanskaras
11. Purusarthas
12. Marriage
13. Caste
14. Slavery
15. Untouchability
16. Labour

UNIT – III

Social institutions & socio cultural developments

17. Education and Educational Institutions.
18. Status of Women (Customary and Legal) :
    a) Family b) Marriage
    c) Eduation d) Property Rights
19. Kusanas
20. Satvahanas
21. Syncresic elements of Indian Society
22. Sangam Age : Society and Culture
23. Communication and Social Cohesion

एम.ए. (पूर्वार्द्ध)
विशेष रचनाकार: कबीरदास

पूर्णांक: 100

प्रश्न-पत्र-पंचम

समय: 3 घंटे

निर्देश

1. पूरे पाठ्य विषय से 10 अति लघु प्रश्न पूछे जाएंगे। परिक्षार्थियों को प्रत्येक प्रश्न का (लगभग 30 से 50 शब्दों में) उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न दो अंकों का होगा और पूरा प्रश्न बीस अंकों का होगा।
2. पहला खण्ड व्याख्या का होगा। व्याख्या के लिए कुल छः अवतरण पूछे जाएंगे, जिनमें से तीन की व्याख्या परिक्षार्थियों को करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या 10 अंकों की होगी और पूरा प्रश्न 30 अंकों का होगा।
3. तीसरे खण्ड में पूरे पाठ्य विषय से 10 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परिक्षार्थियों को पांच के उत्तर लिखने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 4 अंकों का और पूरा प्रश्न 20 अंकों का होगा। (प्रत्येक उत्तर लगभग 150 शब्द)
4. प्रश्न पत्र का दूसरा खंड आलोचनात्मक होगा। पांच आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परिक्षार्थियों को दो प्रश्नों का उत्तर होगा। प्रत्येक आलोचनात्मक प्रश्न 15 अंकों का और पूरा प्रश्न 30 का होगा।

पाठ्य विषय

कबीर ग्रंथावली

व्याख्या हेतु निर्धारित अंश

(क) साखी-निम्नांकित अंग निर्धारित हैं:

1. गुरुदेव कौ अंग
2. सुमिरण कौ अंग
3. बिरह कौ अंग
4. ग्यान बिरह कौ अंग
5. परचा कौ अंग
6. निहकर्मी पतिव्रता कौ अंग
7. चितावणी को अंग
8. मन कौ अंग
9. माया कौ अंग
10. सजह कौ अंग
11. सांच कौ अंग
12. भ्रम विधौंषण को अंग
13. भेष कौ अंग
14. कुसंगति कौ अंग
15. साध कौ अंग
16. साध महिमा कौ अंग
17. मधि कौ अंग
18. सारग्राही कौ अंग
19. उपदेश कौ अंग
20. बेसास कौ अंग
21. सबद कौ अंग
22. जीवन मृतक कौ अंग
23. हेत प्रीत सनेह कौ अंग
24. काल कौ अंग
25. कस्तूरियां मृग कौ अंग
26. निंद्या कौ अंग
27. बेली कौ अंग
28. अविहड़ कौ अंग

(ख) पद: 1 से 100 तक

(ग) रमैणी: सम्पूर्ण

आलोच्य विषय

निर्गुण मत और कबीर

भक्ति आन्दोलन और कबीर

मध्यकालीन धर्म साधना और कबीर

कबीर का युग

कबीर का जीवन

कबीर का साहित्य

कबीर की सामाजिक विचारधारा

कबीर की धार्मिक विचारधारा

कबीर की भक्ति

कबीर का रहस्यवाद

कबीर की भाषा

कबीर का काव्य-शिल्प

कबीर की उलटवासियों

कबीर की प्रासंगिकता

कबीर की साहित्य में प्रयुक्त कुछ पारिभाषित शब्द-अजपाजाप,
अनहनाद, उनमन, निरंजन, सुरति निरति, सहज, शून्य नाद-बिन्दु, औंधा कुआ।

एम. ए. हिन्दी (पूर्वार्द्ध)
भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा

प्रश्न पत्र : 4

पूर्णांक : 100
समय : 3 घण्टे

निर्देश

1. *पूरे पाठ्यक्रम से दस अति लघु प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थियों को प्रत्येक प्रश्न का (लगभग 30 से 50 शब्दों में) उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंकों का होगा।*
2. *पूरे पाठ्यक्रम से 10 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को 7 प्रश्नों के (लगभग 100-150 शब्दों में) उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक को होगा। पूरा प्रश्न 35 अंकों का होगा।*
3. *खण्ड "क" और "ख" दोनों खण्डों से कम से कम दो-दो और कुल मिलाकर पाँच प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थियों को तीन प्रश्नों के उत्तर देना होगा। जिनमें से प्रत्येक खण्ड से कम से कम एक प्रश्न करना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 15 अंकों का होगा।*

(क) भाषा विज्ञान

1. भाषा और भाषा विज्ञान
   भाषा : परिभाषा और प्रवृत्ति
   भाषा : संरचना और भाषिक-प्रकार्य
   भाषाविज्ञान : अध्ययन की दिशाएँ (वर्णनात्मक, ऐतिहासिक, तुलनात्मक)
   भाषा : व्यवस्था और भाषा-व्यवहार
   भाषाविज्ञान : परिभाषा-स्वरूप एवं व्याप्ति
2. स्वनविज्ञान
   स्वनविज्ञान : स्वरुप और शाखाएं वाग्यंत्र और ध्वनि-उत्पादन प्रक्रिया
   स्वन : अवधारण और वर्गीकरण,
   स्वनिम : परिभाषा : अवधारण और भेद
   स्वनगुण और उसकी सार्थकता, स्वनिक परिवर्तन की दिशाएँ
3. रूप और वाक्य
   रुपिम की अवधारणा और भेद (मुक्त-आबद्ध, अर्थदर्शी-संबंधदर्शी रुपिम), संबंधदर्शी रूपिम के भेद और प्रकार्य।
   वाक्य की अवधारणा और भाषा की इकाई के रूप में वाक्य,
   अभिहितान्वयवाद और अन्विताभिधानवाद, वाक्य के भेद, निकटस्थ अवयव, वाक्य के गहन संरचना
4. अर्थविज्ञान
   अर्थ की अवधारणा, शब्द-अर्थ संबंध,
   अर्थ-बोध के साधन, अर्थ-परिवर्तन के कारण, अर्थ-परिवर्तन की दिशाएं
   एकार्थकता, अनेकार्थता, विलोम,
5. भाषा विज्ञान का अन्य विषयों से संबंध
   साहित्य के अध्ययन में भाषा विज्ञान की उपयोगिता, भाषा विज्ञान और व्याकरण संबंध।

(ख) हिन्दी भाषा

1. हिन्दी भाषा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि
   भारतीय आर्य भाषाएँ
   प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ-वैदिक तथा लौकिक संस्कृत : परिचय
   मध्ययुगीन भारतीय आर्य भाषाएँ-पालि, प्राकृत तथा अपभ्रंश-परिचय, आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ-परिचय
   आधुनिक भारतीय आर्य वर्गीकरण-हार्नले और ग्रियर्सन के वर्गीकरण
2. हिन्दी और उसका विकास
   अपभ्रंश (अवहट्ठ सहित) और पुरानी हिंदी स्वरूप और संबंध हिंदी की उपभाषाएं : पश्चिमी हिंदी और उनकी बोलियां
   पूर्वी हिंदी और उनकी बोलियाँ, राजस्थानी और उनकी बोलियाँ, पहाड़ी और उनकी बोलियाँ
   काव्य भाषा के रूप में अवधी का उद्भव और विकास, काव्य-भाषा के रूप में ब्रज का उद्भव और विकास, साहित्यिक हिंदी के रूप में खड़ी बोली का उद्भव और विकास, मानक हिंदी का रूपगत विवेचन
3. हिन्दी का भाषिक स्वरूप
   हिन्दी की स्वनिम व्यवस्था-खंड्य, खंड्येतर
   हिन्दी शब्द-संरचना-उपसर्ग, प्रत्यय, समस्तपद
   लिंग, वचन, कारक और काल की व्यवस्था संदर्भ से हिन्दी
   हिन्दी वाक्य रचना : सार्थकता, पदक्रम, अन्विति।
   खंड्य स्वनिम वर्गीकरण-स्वर एवं व्यंजन
   रूप रचना-हिन्दी की व्याकरणिक कोटियाँ
   संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया रूप।
4. हिन्दी प्रसार आंदोलन और हिन्दी के विविध रूप
   हिन्दी-प्रसार आंदोलन-प्रमुख व्यक्तियों और संस्थाओं का योगदान हिन्दी के विविध रूप-बोली, मानक भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा, संपर्क भाषा, अन्तर्राष्ट्रीय भाषा, संचार भाषा हिन्दी की संवैधानिक स्थिति।
5. नागरी लिपि
   नागरी लिपि नामकरण और विकास
   नागरी लिपि का मानकीकरण
   नागरी लिपि की वैज्ञानिकता
6. हिन्दी में कंप्यूटर सुविधाएं
   आंकड़ा-संसाधन और शब्द-संसाधन
   हिन्दी भाषा-शिक्षण
   वर्तनी-शोधन

आधुनिक गद्य साहित्य

पूर्णांक: 100

समय: 3 घंटे

निर्देश:

1. खंड (क) में निर्धारित साहित्यकरों से सम्बद्ध दस लघु प्रश्न दिये जायंगे। परीक्षार्थियों को प्रत्येक प्रश्न का (लगभग 30 से 50 शब्दों में उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न दो अंकों का होगा और पूरा प्रश्न बीस अंकों का होगा।
2. खंड (क) में निर्धारित सभी सात शीर्षकों में से किन्हीं 6 में से एक–एक गद्यांश व्याख्या के लिए पूछा जाएगा, परीक्षार्थियों को इनमें से किन्हीं तीन की व्याख्या लिखनी होगी। प्रत्येक व्याख्या के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 30 अंकों का होगा।
3. द्रुत–पाठ के लिए निर्धारित प्रत्येक विधा से तीन–तीन रचनाओं के एक–एक प्रश्न पूछें जाएंगे। कुल 15 प्रश्न जिनमें से परीक्षार्थियों को प्रत्येक विधा से एक–एक प्रश्न करना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न चार अंक का होगा। लघूत्तरी प्रश्न परिचयात्मक प्रकृति के ही होंगे।
4. खंड (क) में निर्धारित सभी सात शीर्षकों से संबद्ध पांच आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे, परीक्षार्थियों को उनमें से किन्ही दो के उत्तर देने होंगे आलोचनात्मक प्रश्न 15 अंक का होगा।

खण्ड 'क'

1.	**आधे-अधूरे**	प्रतिपाद्य, आधुनिकता बोध, प्रयोगधर्मिता, चरित्र-चित्रण और नाट्य भाषा।
2.	**चन्द्रगुप्त**	इतिहास और कल्पना, अभिनेयता, चरित्र-चित्रण, राष्ट्रीय और सांस्कृतिक संदर्भ।
3.	**कहानियाँ**	पाठ्य कहानीकारों की कहानियों की विशिष्टता, प्रतिपाद्य और चरित्र।

आधुनिक गद्य साहित्य

पूर्णांक: 100
समय: 3 घंटे

निर्देश:

1. खंड (क) में निर्धारित साहित्यकरों से सम्बद्ध दस लधु प्रश्न दिये जायंगे। परीक्षार्थियों को प्रत्येक प्रश्न का (लगभग 30 से 50 शब्दों में उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न दो अंकों का होगा और पूरा प्रश्न बीस अंकों का होगा।
2. खंड (क) में निर्धारित सभी सात शीर्षकों में से किन्ही 6 में से एक–एक गद्यांश व्याख्या के लिए पूछा जाएगा, परीक्षार्थियों को इनमें से किन्हीं तीन की व्याख्या लिखनी होगी। प्रत्येक व्याख्या के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 30 अंकों का होगा।
3. द्रुत–पाठ के लिए निर्धारित प्रत्येक विधा से तीन–तीन रचनाओं के एक–एक प्रश्न पूछें जाएंगे। कुल 15 प्रश्न जिनमें से परीक्षार्थियों को प्रत्येक विधा से एक–एक प्रश्न करना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न चार अंक का होगा। लधूत्तरी प्रश्न परिचयात्मक प्रकृति के ही होंगे।
4. खंड (क) में निर्धारित सभी सात शीर्षकों से संबद्ध पांच आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे, परीक्षार्थियों को उनमें से किन्ही दो के उत्तर देने होंगे आलोचनात्मक प्रश्न 15 अंक का होगा।

खण्ड 'क'

1.	**गोदान**	यथार्थ और आदर्श, कृषक जीवन की पीड़ा का महाकाव्यात्मक उपन्यास, चरित्र–चित्रण, आधुनिकता, निपुणिका और नारी मुक्ति, भाषा–शिल्प।
2.	**आवारा मसीहा**	जीवनी के निकष पर, चरित्र–चित्रण, उद्देश्य।
3.	**निबन्ध निकष**	पाठ्य निबन्धकरों के निबन्धों का वैशिष्ट्य और निबन्ध–शैली।